Intelligence quotient
बुद्धि लब्धि

Intelligence बुद्धि (बुद्धिमता)

- मनुष्य एक बुद्धिमान प्राणी है। बुद्धिमान होने के कारण यह अन्य प्राणियों से श्रेष्ठ माना जाता है।

- बुद्धि का महत्व होते हुए भी बुद्धि के विषय में मनोवैज्ञानिकों का मत अलग-अलग है।

- वास्तव में बुद्धि एक अमूर्त तत्व है जिसे हाथ से छूकर या आँख से देखकर समझा नही जा सकता है बल्कि इसे व्यक्ति के व्यवहार को देखकर ही जाना जा सकता है।

- बुद्धि को सामान्यत: सोचने-समझने और सीखने एवं निर्णय करने की शक्ति के रूप में देखा-समझा जाता है, परन्तु वास्तव में बुद्धि इससे कुछ अधिक होती है।

- प्राचीन भारतीय दार्शनिकों के अनुसार मनुष्य के अन्त:करण के ③ अंग है।
  ① मन mind ② बुद्धि intelligence ③ अंहकार (ego)

- मन बाह्य इन्द्रियों और बुद्धि के बीच संयोजक का कार्य करता है। मन के संयोग से ही बाह्य इन्द्रियाँ क्रियाशील होती है और मन के संयोग से ही बुद्धि क्रियाशील होती है। इन्द्रियों से प्राप्त ज्ञान मन के द्वारा बुद्धि तक पहुचती है। बुद्धि इसमें काट-छाँट करती है और उसे अहम् से जोड़ती है। और अन्त में उसे सूक्ष्म शरीर पर पहुँचा देती है जहाँ पर संचित हो जाता है

- बुद्धि वह मानसिक शक्ति है जो वस्तुओं एवं तथ्यों को समझने, उनमे आपसी सम्बन्ध खोजने तथा तर्कपूर्ण ज्ञान प्राप्त करने में सहायक होती है। बुद्धि ही मनुष्य को नवीन परिस्थितियों को ठीक से समझने और उनके साथ अनुकूलित होने में सहायता करती है।

- किसी कार्य, स्थिति में उपलब्ध सभी विकल्पों में से सबसे ज्यादा बेहतर और अनुकूलित विकल्प का चुनाव करके अपने लक्ष्य को हासिल करना।

बुद्धि एक सामान्य योग्यता तथा विभिन्न मानसिक योग्यताओं का समन्वय है जो व्यक्ति को व्यावहारिक जीवन में सफल होने में सहायक सिद्ध होता है।

फ्रीमैन व अन्य विद्वानों द्वारा प्रस्तुत बुद्धि की परिभाषा को चार भागों में बाटा गया है। बुद्धि की परिभाषाएँ अनगिनत कही जाए तो कम नहीं है क्योंकि मनोवैज्ञानिक इस सम्बन्ध में एकमत नहीं हैं।

Ability to Learn

(1) → सीखने की योग्यता → (वुडवर्थ, गाल्टन, डीयरबोर्न)

बकिंघम → "सीखने की योग्यता बुद्धि है।"

Buckingham → Intelligency is the Ability to Learn

कालविन → "यदि व्यक्ति ने अपने वातावरण से सामंजस्य करना सीख लिया है या सीख लेता है तो उसमें बुद्धि है।"

Colvin

"An Individual possesses intelligence in so far as he has learned, or can learn to Adjust himself to his Environment."

Ability to Adjust to the Environment

(2) → वातावरण के प्रति समायोजन की योग्यता → (स्टर्न, बर्ट, पिन्टनर)

स्टर्न → "नवीन परिस्थितियों में अपने विचारों को अभियोजित (समायोजित) करने की एक सामान्य शक्ति बुद्धि है।"

Stern

"Intelligency is a general Capacity of the individual Consciously to adjust the thinking to new requirement."

क्रूज → "बुद्धि नयी तथा भिन्न परिस्थितियों में समुचित रूप से समायोजन की योग्यता है।"

Cruz

"Intelligency is the ability to Adjust Adequatly to new and different Situation."

बर्ट → "बुद्धि अपेक्षाकृत नयी परिस्थितियों में समुचित रूप से समायोजन करने की क्षमता है।"

Burt

Intelligency is the innate Capacity to Adopt relatively to new Situations

Ability to think abstractly

(3) → अमूर्त चिन्तन की योग्यता → (बिने, टरमन, स्पीयरमैन)

टरमैन → "अमूर्त चिन्तन की योग्यता ही बुद्धि है।"

Terman

"Intelligency is ability to think Abstractly."

बिने → "बुद्धि उचित प्रकार से सोचने, सही निर्णय लेने और आत्म समालोचना करने की क्षमता है।"

Alfred Binet

Intelligency is the Capacity to think well, to judge well and to Be Self Critical.

→ अनेक योग्यताओं का समुच्चय → (कोलेस्निक, रेक्स, नाइट, वैश्लर, स्टोडार्ड)
Kolesnik, Rex, Knight, Weshsler, Stoddart
Combination of many abilities

वैश्लर → "बुद्धि व्यक्ति की उद्देश्यपूर्ण ढंग से कार्य करने, विवेकपूर्ण ढंग से चिन्तन करने और पर्यावरण के साथ प्रभावशाली ढंग से ~~चिंतन~~ सामंजस्य करने की सम्पूर्ण अथवा व्यापक योग्यता है।"
Weshsler

"Intelligence is the aggregate or global capacity of the individual to act purposefully, to think rationally and to deal effectively with his environment."

कोलेस्निक → "बुद्धि कोई एक प्रकार की शक्ति, क्षमता अथवा योग्यता नहीं है जो सब परिस्थितियों में समान रूप से कार्य करती है बल्कि यह विभिन्न योग्यताओं का योग है।"
Kolesnik

"Intelligence is not a single power or capacity or ability which operates equally well all situations. It is rather a composite of several different abilities."

फ्रायड → "शीघ्र अधिगमन अथवा अधिगमन धारणा की योग्यता बुद्धि है।"
Freud
"Intelligence is sometimes described as the ability to learn quickly and retain learning."

Intelligence is a method of functioning

वुडवर्थ → (बुद्धि कार्य करने की एक विधि है)

1. अतीत के अनुभवों का प्रयोग — use of past experience
2. नवीन परिस्थितियों का समायोजन — Adaptation to a Novel situation.
3. कार्यों को विशाल दृष्टिकोण से ~~समझना~~ देखना — viewing Actions from a Broader point of view
4. परिस्थितियों को समझना — Seeing the point.

बुद्धि की विशेषताएँ (Characteristics of Intelligence)

Intelligence is the innate power of a person. It is received by heridity.
1. बुद्धि व्यक्ति की जन्मजात शक्ति है। यह वंशानुक्रम से प्राप्त होती है।
2. बुद्धि सीखने की क्षमता है। Intelligence is the Ability to learn
3. बुद्धि अतीत के अनुभवों से लाभ उठाने की योग्यता है। Wisdom is the ability to benefit from past experiences.
4. बुद्धि विभिन्न योग्यताओं का पुंज है।
5. बुद्धि के द्वारा व्यक्ति कठिनाईयों को दूर करके परिस्थिति के अनुसार अपने को समायोजित करता है। Through intelligence, a person overcomes difficulties and Adjusts himself according to the situation.
6. बुद्धि अमूर्त चिन्तन की योग्यता है अर्थात बुद्धि के द्वारा जो अप्रत्यक्ष है, उसके बारे में चिन्तन किया जा सकता है। Intelligence is the ability to think abstractly, that is, what is indirect through intelligence can be contemplated.
7. बुद्धि के द्वारा अर्जित ज्ञान का नवीन परिस्थितियों में उपयोग किया जा सकता है। Knowledge acquired through intelligence can be used in new situations.
8. बुद्धि किसी समस्या को समझने या समाधान करने में सहायक होती है। Intelligence is helpful in understanding or solving a problem.
9. बुद्धि में आत्मनिरीक्षण की क्षमता होती है। व्यक्ति द्वारा किये गये अच्छे-बुरे कार्यों व विचारों की आलोचना बुद्धि स्वयं करती है। Intelligence has ability to introspect. wisdom itself criticizes the good and bad deeds and thoughts done by a person.
10. बुद्धि का विकास जन्म से लेकर किशोरावस्था के मध्यकाल तक होता है। The development of Intelligence takes place from birth to the middle age of adolescence

Motor or mechanical
गामक/यान्त्रिक — बुद्धि के प्रकार (थार्नडाइक) Thorndike
गैरेट

(1) मूर्त बुद्धि / स्थूल बुद्धि (Concrete Intelligence)

यह बुद्धि जो मनुष्यों को वस्तुओं के स्वरूप को समझने एवं तदनुकूल क्रिया करने में सहयोग करती है। अर्थात मूर्त बुद्धि इसलिए कि यह मूर्त वस्तुओं को समझने एवं मूर्त क्रियाओं को करने में सहायता करती है।

जिन बच्चों में इस प्रकार की बुद्धि की अधिकता होती है वे वस्तुओं को तोड़ने एवं जोड़ने में विशेष रुचि लेते हैं। अन्य शारीरिक कार्य Eg— खेल-कूद एवं नृत्य आदि में भी उनकी रुचि होती है। ऐसे बच्चे आगे चलकर कुशल कर्मकार और इंजीनियर बनते हैं।
यह वास्तविक परिस्थितियों को समझने तथा उनके अनुकूल व्यवहार करने की योग्यता है।

244th Day
Tuesday

(2) अमूर्त बुद्धि (Abstract Intelligence)

(3) सामाजिक बुद्धि (Social intelligence)

Theories of Intelligence
बुद्धि के सिद्धान्त

सिद्धान्त	प्रतिपादक	वर्ष
① एक तत्व सि० / एक कारक सि० / एक सत्तात्मक सि० Unitary or Monarchic Theory	बिने Binet, टर्मन Terman, स्टर्न Stern	1904/1905
② द्वि कारक सि० Two factor / Bi-factor Theory	स्पीयरमैन (इंग्लैण्ड)	1904
③ त्रिकारक सि० Three factor theory	स्पीयरमैन	1911
④ बहुकारक / असत्तात्मक सि० Multi factor or Anarchic Theory	थार्नडाइक Thorndike (अमेरिकी)	1930
⑤ समूह कारक / संघसत्तात्मक सि० Group factor or oligarchic theory or / Primary Mental Abilities (P.M.A) Theory	थर्स्टन Prof. Thurstone शिकागो वि०वि०	1938
⑥ क्रमिक महत्व का सि० The Hierarchical Theory	बर्ट & वर्नन Burt & Vernon	1950
⑦ बुद्धि संरचना सि० / त्रि आयाम सि० Three Dimensional Theory / S.I model	गिलफोर्ड J.P Guilford	1967
⑧ फ्लूड तथा क्रिस्टेलाइज्ड सि० Fluid & Crystalized Theory	कैटेल Cattell	1940, 41, 42
⑨ बुद्धि A तथा बुद्धि B का सि० Theory of Intelligence A & B	हेब (Hebb)	1942

28/04/2023

(4.) एक कारक सिद्धांत :- (बीने, टरमन, स्टर्न) (1904-5)

इस सिद्धांत के अनुसार बुद्धि वह शक्ति है, जो समस्त मानसिक कार्यों को प्रभावित करती है। इस सिद्धांत को मनोवैज्ञानिकों ने बुद्धि को समस्त मानसिक कार्यों को प्रभावित करने वाली एक शक्ति के रूप में माना है।

इस सिद्धांत के अनुसार — "यदि किसी व्यक्ति एक विशेष क्षेत्र में निपुण है तो वह अन्य क्षेत्रों में भी निपुण रहेगा। रहेगी।"

(फ्रांस) बीने — "बीने ने बुद्धि को व्याख्या करते हुए निर्णय की योग्यता माना है।"

(यू.एस.ए) टरमन — "टरमन ने बुद्धि को विचार करने की योग्यता माना है।"

(जर्मनी) स्टर्न — "स्टर्न ने बुद्धि को नवीन परिस्थितियों के समायोजन करने की योग्यता के रूप में माना है।"

इन तीनों के अध्ययनों से हम इस निष्कर्ष तक पहुँचते हैं कि बुद्धि अपने में एक इकाई कारक, शक्ति अथवा ऊर्जा है, जो व्यक्ति की सभी क्रियाओं को प्रभावित करती है।

इस सिद्धांत के अनुसार यदि किसी व्यक्ति की बुद्धि तीव्र है, तो वह किसी भी कार्य को दक्षता के साथ कर सकता है

जॉनसन — यदि वैज्ञानिक न्यूटन अपनी बुद्धि का उपयोग विज्ञान क्षेत्र को छोड़कर अन्य क्षेत्रों में भी करते तो वे उन सभी में भी सफलता प्राप्त करते।

28/04/2020

निष्कर्ष –

परंतु यथार्थ तो यह है कि तीव्र अर्थात् उच्च बुद्धि वाले व्यक्ति सभी क्षेत्रों में समान रूप से सफलता प्राप्त नहीं करते, यह उनकी बुद्धि के साथ-साथ उनकी रुचि, रुझान, एवं आवश्यकताओं की तीव्रता पर निर्भर करता है।

यही कारण है कि वर्तमान में इस सिद्धांत को भी स्वीकार नहीं किया जाता है।

(2) द्वि-कारक सिद्धांत:– (स्पीयरमैन) (1904):–

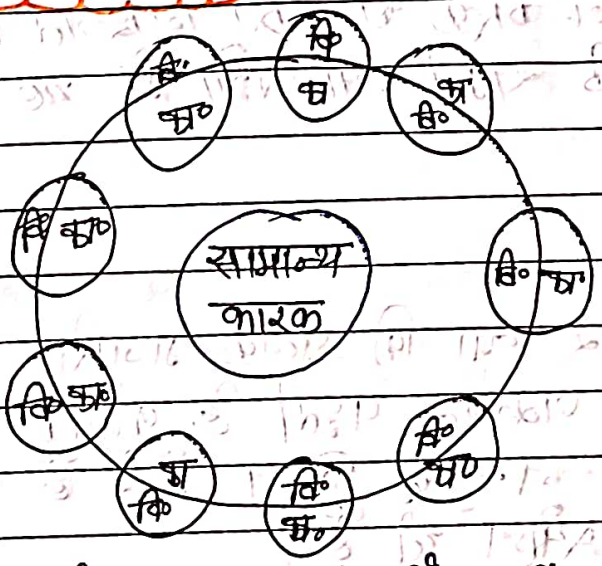

[वि० क० = विशिष्ट कारक]

ब्रिटिश मनोवैज्ञानिक स्पीयरमैन ने अपने प्रयोगों से यह निष्कर्ष निकाला कि बुद्धि दो कारकों (शक्तियाँ एवं योग्यताओं) का योग है।

प्रथम कारक को उन्होंने सामान्य मानसिक योग्यता या सामान्य बुद्धि कारक (G) तथा दूसरे कारक को उन्होंने विशिष्ट मानसिक योग्यता कहा। G-factor & S-factor.

उन्होंने सामान्य योग्यता (G) वाले व्यक्ति को सभी कार्यों में सहायता करती है जबकि विशिष्ट योग्यता (S) व्यक्ति को सिर्फ उसी कार्यों में सहायता करती है, जिसके लिए वह होती है।

सामान्य योग्यता (G) एक ही होती है परंतु विशिष्ठ योग्यता (S) अनेक होती है।

02/05/2023

इन्होंने इसे सामान्य बुद्धि (GI) एवं विशिष्ट बुद्धि (SI) की संज्ञा दी और विभिन्न प्रकार की विशिष्ट योग्यताओं को S1, S2, S3, S4, S5 आदि से व्यक्त किया।

1/05/2023

स्पीयरमैन के अनुसार G कारक की दो प्रमुख विशेषताएँ हैं:

(1) यह है कि G-कारक पर किसी तरह के शिक्षण-प्रशिक्षण पूर्व-अनुभूति इत्यादि का प्रभाव नहीं पड़ता है। यही कारण है कि G-factor को जन्मजात कारक कहते हैं।

(2) प्रत्येक व्यक्ति में G-कारक की मात्रा निश्चित होती है परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि सभी व्यक्तियों में यह कारक समान होती है।

स्पीयरमैन का विचार था कि प्रत्येक मानसिक क्रिया करने में कुछ विशिष्टता की जरूरत पड़ती है क्योंकि हर मानसिक कार्य एक-दूसरे से कुछ-न-कुछ भिन्न होते हैं जिसे इन्होंने S-factor की संज्ञा दी है।

S-कारक की तीन (3) विशेषताएँ पायी गई हैं—

S-कारक का स्वरूप परिवर्तनशील होता है। एक मानसिक क्रिया में एक तरह के S-कारक की आवश्यकता है तो दूसरे मानसिक क्रिया में इसरे S-कारक की आवश्यकता होती है।

एक कार्य के लिए किसी व्यक्ति में S-कारक की मात्रा अधिक हो सकती है परंतु उसी व्यक्ति दूसरे कार्य के लिए S-कारक की मात्रा अल्प हो सकती है।

(क्रम)

Date 05/05/2023

S- कारक पर व्यक्ति के प्रशिक्षण, पूर्व अनुभूतियों आदि का काफी प्रभाव पड़ता है। प्रशिक्षण देकर हम किसी खास मानसिक कार्य के लिए S-कारक की मात्रा को बढ़ा सकते हैं। दूसरे शब्दों में –

प्रशिक्षण देकर हम किसी को एक अच्छा चित्रकार एवं एक अच्छा तबला वादक बना सकते हैं।

/05/2023

स्पीयरमैन के अनुसार प्रत्येक बौद्धिक कार्य में G-कारक तथा S-कारक दोनों ही सम्मिलित होते हैं। इन दोनों कारकों में G-कारक की महत्वता अधिक दी गई है। G-कारक कम होने से व्यक्ति को कोई बौद्धिक कार्य करने में पूर्ण सफलता नहीं मिलेगी। इसलिए स्पीयरमैन के बुद्धि सिद्धांत को G-कारक सिद्धांत कहा गया है।

(3.) त्रि-कारक सिद्धांत :- स्पीयरमैन (1911) :-

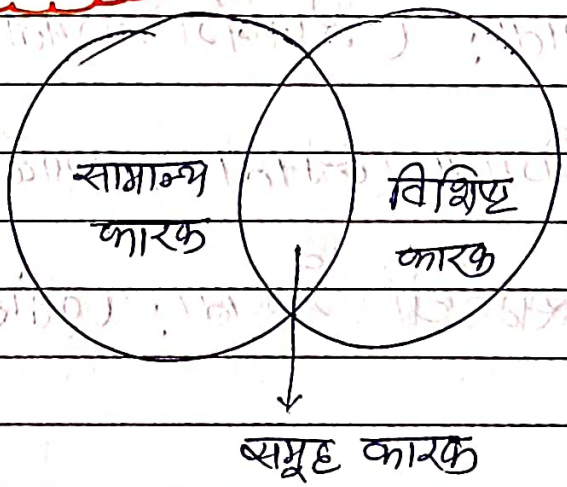

01 05 2023

(5.1) समूह कारक सिद्धांत :- (थर्स्टन) (1938):-

{Primary Mental Abilities} → P.M.A.
→ (P.M.A.T) — Test.

(iii) थर्स्टन के बुद्धि के सात (7) प्रकार के सिद्धांत :-

बहु-मानसिक योग्यता परीक्षण

(1.) आंशिक / संख्यात्मक योग्यता (क्षमता): N — Numerical
\+
(2.) शाब्दिक योग्यता : V — verbal
\+
(3.) स्थानिक / देशिक योग्यता। (काल्पनिक जगह) को समझना S — spatial
\+
(4.) शब्द प्रवाह योग्यता : W — word fluency
\+
(5.) तर्क योग्यता : (रिजनिंग योग्यता)। R — Reasoning
\+
(6.) स्मृति योग्यता (क्षमता): (याद करना)। M — Memory
\+
(7.) प्रत्यक्ष सम्बंधी योग्यता : (वृतांत बताने वाला)। P — Perceptual

Date 10/05/2023

(1.) आंकिक/संख्यात्मक योग्यता –

परिशुद्धता तथा तीव्रता के साथ आंकिक परिकलन (Numerical calculation) करने की क्षमता को आंकिक/संख्यात्मक योग्यता कहा गया। और इसे अक्षर N से संबोधित किया।

(2.) शाब्दिक योग्यता –

शब्दों और वाक्यों के अर्थ को समझने की योग्यता ~~कहा गया~~ को शाब्दिक योग्यता कहा जाता है। और इसे अक्षर V द्वारा ~~सी~~ संकेत किया जाता है।

(3.) स्थानिक योग्यता –

किसी दिए हुए स्थान में वस्तुओं के परिचालन करने की क्षमता को स्थानिक योग्यता कहा गया। इसे अक्षर S से संबोधित किया गया।

(4.) शब्द प्रवाह योग्यता –

दिए हुए शब्दों से असंबंधित या अलग शब्दों को सोचने की क्षमता को शब्द प्रवाह क्षमता/योग्यता कहा गया। इसे अक्षर W से संबोधित किया गया।

(5.) तर्क योग्यता –

वाक्यों के समूह या अक्षरों के समूह में छिपे नियम की खोज करने की क्षमता को तर्क क्षमता कहते हैं। जिसे अक्षर R द्वारा संबोधित किया गया।

(6.) स्मृति क्षमता –

किसी पाठ या विषय या घटना को जल्द से जल्द याद करने की क्षमता को स्मृति क्षमता कहा गया। इसे M द्वारा संबोधित किया गया।

Date 10 / 05 / 2023

(7) प्रत्यक्ष संबंधी योग्यता

किसी घटना या वस्तु की हस्ततता ~~का~~ तेजी से प्रत्यक्ष करने की क्षमता को प्रत्यक्ष संबंधी योग्यता कहा गया। इसे अक्षर P से संबोधित किया गया।

थर्स्टन ने

शिकागो विश्वविद्यालय के प्रो० थर्स्टन ने अपने प्रयोगों के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला कि बुद्धि न तो किसी एक योग्यता का द्योतक है।

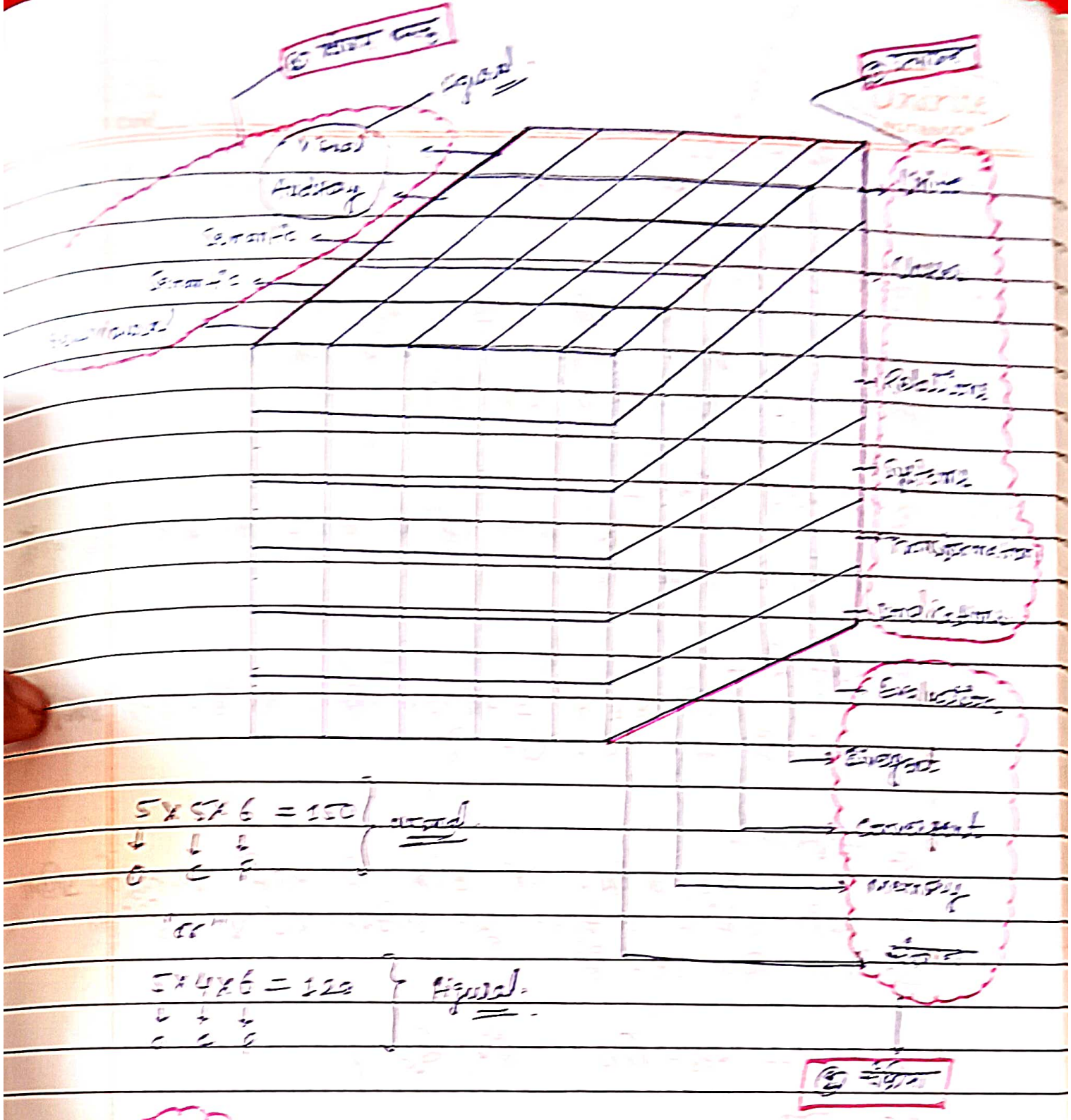

5 × 5 × 6 = 150 } Equal

5 × 4 × 6 = 120 } Figural

संक्रिया — (Operations) —

संक्रिया से तात्पर्य व्यक्ति द्वारा किये जाने वाली मानसिक प्रक्रिया के स्वरूप से होता है।

गिलफोर्ड ने संक्रियाओं के आधार पर मानसिक क्षमताओं को 5 (पाँच) भागों में बाँटा है —

1. मूल्यांकन (Evaluation)
2. अपसारी चिंतन (Divergent th.)
3. अभिसारी चिंतन (Convergent th.)
4. स्मृति (Memory)
5. संज्ञान (Cognition)

1. **मूल्यांकन –**
इसके अंतर्गत गुण एवं दोष परखे जाते हैं।

2. **अपसारी चिंतन –**
यह संक्रिया प्रायः सृजनशील संभावना में पायी जाती है। इस मानसिक संक्रिया के अंतर्गत व्यक्तियों के चिंतन में विविधता एवं विशुद्धता पायी जाती है।

3. **अभिसारी चिंतन –**
पूर्व सूचनाओं के आधार पर नवीन सूचनाओं का निर्माण करना है।

4. **स्मृति –**
जो कुछ भी प्रत्याभिज्ञान किया जाता है, उसे अपनी स्मृति में धारण कर लेना है।

5. **संज्ञान –**
यह अधिगम की प्रक्रिया कि सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। इसके अंतर्गत अन्वेषण, पुनः अन्वेषण एवं सूचनाओं का प्रत्याभिज्ञान किया जाता है।

उदाहरण – सह-शिक्षा और छंद।

विषय-वस्तु – Content –
विषय-वस्तु से तात्पर्य उस क्षेत्र से होता है जिसके आधार पर एकांशों (items) या सूचनाओं (information) के आधार पर संक्रियाएँ की जाती हैं।

गिलफोर्ड के अनुसार ऐसे एकांशों या सूचनाओं को पाँच भागों में बाँटा गया है –

(1) दृश्य (2) श्रवण (3) सांकेतिक (4) अर्थगत

(5) व्यवहारिक ।

उदाहरण — पीछे के उदाहरण में जिसमें मूल्यांकन की संक्रिया एवं मूल्यांकन तथा अपसारी चिंतन की संक्रिया सम्मिलित थी अर्थात विषय-वस्तु के अंतर्गत शाब्दिक की श्रेणी में की गई थी।

(c) उत्पादन — production —

उत्पादन से तात्पर्य किसी विशेष प्रकार की विषय-वस्तु द्वारा की गई संक्रिया के परिणाम से होता है। इस तरह के परिणाम को 6 (छः) भागों में बाँटा गया है, जो इस प्रकार हैं —

(1) इकाई (2) वर्ग (3) संबंध (4) प्रणाली / तंत्र

(5) रूपांतरण / हस्तांतरण (6) आशय / नीहितार्थ ।

उदाहरण —

ऊपर के उदाहरण में ईंट का असाधारण उपयोग के रूप में बताए गए उत्तरों को उत्पादन की श्रेणी में, विशेषकर सम्बंध उत्पादन की श्रेणी में रखा गया है।

इस तरह से स्पष्ट है, कि गिलफोर्ड ने अपने सिद्धांत में बुद्धि की व्याख्या तीन विमाओं (3-D) के आधार पर की है और प्रत्येक विमा (Dimensions) के कई कारक हैं।

संक्रिया विमा के पाँच कारक, विषय-वस्तु विमा के पाँच तथा उत्पादन-विमा के छः कारक हैं। इस तरह गिलफोर्ड के अनुसार बुद्धि में कुल मिलाकर

$5 \times 5 \times 6 = 150$ कारक / $5 \times 4 \times 6 = 120$ कारक होते हैं।

इसे हम बुद्धि संरचना सिद्धांत के नाम से भी जानते हैं। SOI = Structure of Intelligence.

गार्डनर का बहुबुद्धि सिद्धान्त
Gardner's theory of multiple intelligence

September 2015
Thursday 17

→ इस सिद्धान्त का विकास गार्डनर (1983) द्वारा किया गया।

→ इस सि० में गार्डनर ने यह स्पष्ट किया कि बुद्धि का स्वरूप एकाकी (Singular) न होकर बहुकारकीय होता है।

→ इस सि० पर यह बल डाला गया है कि विशेष क्षमता एवं अलग बुद्धि (Separate intelligence) है या नहीं।

Eg → जैसे → मस्तिष्कीय क्षति होने से व्यक्ति की एक विशेष क्षमता यदि प्रभावित हो जाती है परन्तु उसका प्रभाव अन्य क्षमताओं पर नहीं पड़ता है, तो प्रभावित क्षमता को एक अलग बुद्धि (Separate intelligence) माना जा सकता है।

→ कुछ व्यक्तियों में एक खास तरह की क्षमता असाधारण मात्रा में होती है जो आप इस सि० के बुद्धि क्षेत्रों के अन्तर्गत आती है।

→ गार्डनर ने मूलतः सात तरह की बुद्धि का वर्णन किया। 1998 में उन्होंने इसमें आठवाँ प्रकार तथा 2000 में उन्होंने नौवाँ प्रकार भी जोड़ा।

→ इस तरह से गार्डनर के अनुसार अभी बुद्धि के नौ प्रकार हैं।

(Comprehension Ability)

① भाषाई बुद्धि Linguistic intelligence-	वाक्यों तथा शब्दों की बोध क्षमता, शब्दावली (Vocabulary)। कवि, अध्यापक, प्रवक्ता, साहित्यकार
② तार्किक - गणितीय बुद्धि Logical - mathematical intell	तर्क करने की क्षमता, गणितीय समस्या समाधान, गणितीय नियमों के पीछे छिपे नियमों को जानने की योग्यता। गणितज्ञ, नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाले।
③ स्थानिक बुद्धि Spatial intelligence	स्थानिक चित्र को मानसिक रूप से परिवर्तन स्थानिक कल्पना शक्ति नाविक, पायलट, वास्तुकार, शैल्य चिकित्सक
④ शारीरिक - गतिक बुद्धि Body kinesthetic intellige	शारीरिक गति पर नियंत्रण रखने वाले। वस्तुओं को सावधानी एवं प्रवीण ढंग से घुमाने। → नर्तकी, व्यायामी (Gymnast), क्रिकेटर, टेनिस, शिल्पकार (Artisans)
⑤ सांगीतिक बुद्धि Musical intelligence	सुर, लय, ताल को जानने वाला संगीतकार, गीतकार, गायक, गायिका
⑥ व्यक्तिगत - आत्मन बुद्धि Personal - Self intellig	भावों एवं संवेगों को मानीटर करने की क्षमता विभेद करने की क्षमता, एवं नियंत्रित करना
⑦ व्यक्तिगत अन्य बुद्धि Personal others intelligence-	दूसरे व्यक्तियों की प्रेरणाओं, इच्छाओं एवं आवश्यकताओं को समझने की क्षमता
1998 ⑧ प्रकृतिवादी बुद्धि Naturalistic intelligence	व्यक्ति में प्रकृति में जो पैटर्न तथा सममिति Patterns Symmetry मौजूद होते हैं किसान, जीव विज्ञानी (Biologist) वनस्पति वैज्ञानिक Botanist)
2000 ⑨ अस्तित्ववादी बुद्धि Existentialistic intelligence	संसार के बारे में छिपे रहस्य को जिन्दगी, मौत तथा मानव अनुभूतियों के वास्तविकता को जानने दार्शनिक चिंतक Philosopher thinkers